कबीर के आदर्शों को आगे रख मोदी का विपक्ष पर जबर्दस्त हमला

मगहर (उत्तर प्रदेश), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संत कबीर के आदर्शों और जीवन दर्शन को आगे रखते हुए आज विपक्षी दलों पर जबर्दस्त हमला बोला। मोदी ने कहा कि कुछ दल महापुरूषों के नाम पर कुछ दल स्वार्थ की राजनीति कर रहे हैं और समाज को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

मोदी यहां मगहर में कबीर के निर्वाण स्थल के दर्शन के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, समय के लंबे कालखंड में संत कबीर के बाद रैदास आये, सैकड़ों वर्षों के बाद महात्मा फुले आये, महात्मा गांधी आये, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आये। समाज में फैली असमानता को दूर करने के लिए सभी ने अपने-अपने तरीके से समाज को रास्ता दिखाया। बाबा साहेब ने हमें देश का संविधान दिया। एक नागरिक के तौर पर सभी को बराबरी का अधिकार दिया।

उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से आज इन्हीं महापुरूषों के नाम पर कुछ दल स्वार्थ की राजनीति के जरिए समाज को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ दलों को समाज में शांति और विकास नहीं बल्कि कलह और अशांति चाहिए। उनको लगता है कि जितना असंतोष और अशांति का वातावरण बनाएंगे उनको उतना ही राजनीतिक लाभ होगा। लेकिन सच्चाई यह भी है कि ऐसे लोग जमीन से कट चुके हैं।

मोदी ने कहा, ... इन्हें अंदाजा ही नहीं है कि संत कबीर, महात्मा गांधी और बाबा साहेब को मानने वाले हमारे देश का मूल स्वभाव क्या है। कबीर कहते थे कि अपने भीतर झांकों तो सत्य मिलेगा लेकिन इन्होंने कबीर को कभी गंभीरता से पढ़ा ही नहीं।

उन्होंने कहा कि ऐसे दलों और उनके नेताओं का जनता एवं समाज के विकास पर नहीं बल्कि अपने आलीशान बंगले पर मन लगा हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे याद है जब गरीब और मध्यम वर्ग को घर देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शुरू हुई तो पहले वाली सरकार (सपा सरकार) का रवैया क्या था। हमारी सरकार ने तमाम पत्र लिखे, अनेक बार फोन पर बात की ... लेकिन वो ऐसी सरकार थी जिसको अपने बंगले में रूचि थी।

मोदी ने सपा—बसपा और कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए कहा कि जब से योगी की सरकार आयी, उसके बाद उत्तर प्रदेश में गरीबों के लिए रिकार्ड घरों का निर्माण किया जा रहा है।

कबीर ने सारी जिन्दगी उसूलों पर ध्यान दिया। उन्होंने मौत का मोह नहीं किया लेकिन गरीबों को झूठा दिलासा देने वाले समाजवाद और बहुजन का सत्ता के प्रति लालच भी आज हम भलीभांति देख रहे हैं। दो दिन पहले ही देश में आपातकाल के 45 साल हुए थे। सत्ता का लालच ऐसा है कि आपातकाल लगाने वाले और उस समय उसका विरोध करने वाले आज कंधे से कंधा मिलाकर कुर्सी झपटने की फिराक में घूम रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे दलों को देश नहीं, समाज नहीं सिर्फ अपने और अपने परिवार के हित की चिन्ता है। गरीब, वंचित, शोषित, दलित, पिछड़ों को धोखा देकर अपने लिए करोड़ों के बंगले बनाने वाले ... भाइयों और रिश्तेदारों को करोड़ों अरबों की संपत्ति का मालिक बनाने वाले ऐसे लोगों से उत्तर प्रदेश ओर देश की जनता को सतर्क रहने की जरूरत है।

मोदी ने कहा, आपने तीन तलाक के विषय में इन लोगों का रवैया देखा है। देश भर में मुस्लिम समाज की बहनें आज तमाम धमकियों की परवाह ना करते हुए तीन तलाक हटाने की लगातार मांग कर रही हैं। लेकिन ये राजनीतिक दल, सत्ता पाने के लिए वोट बैंक का खेल खेलने वाले लोग संसद में तीन तलाक बिल पारित होने में रोडे अटका रहे हैं। ये लोग अपने हित के लिए समाज को हमेशा कमजोर रखना चाहते हैं।''

उन्होंने कहा कि इस बात का अफसोस है कि आज कई परिवार खुद को जनता का भाग्यविधाता समझ कबीर की बातों को पूरी तरह नकारने में लगे हैं। वे भूल गये हैं कि हमारे संघर्ष और आदर्श की बुनियाद कबीर जैसे महापुरूष हैं।

मोदी बोले, कबीर ने रूढियों पर सीधा प्रहार किया था। मनुष्य—मनुष्य में भेद करने वाली हर व्यवस्था को चुनौती दी थी। दबा कुचला वंचित शोषण का शिकार ... कबीर उसे सशक्त बनाना चाहते थे। वो उसे याचक बनाकर नहीं रखना चाहते थे। कबीर खुद श्रमजीवी थे। वह श्रम का माहात्म्य समझते थे लेकिन आजादी के इतने वर्षों तक हमारे नीति निर्माताओं ने कबीर के इस दर्शन को नहीं समझा। गरीबी हटाने के नाम पर वो गरीबों को वोट बैंक की सियासत पर आश्रित करते रहे। बीते चार वर्ष में हमने इस रीति नीति को बदलने का भरसक प्रयास किया है। हमारी सरकार गरीब दलित पीड़ित शोषित वंचित महिलाओं को, नौजवानों को सशक्त करने की राह पर चल रही है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कबीर के कालखंड में मगहर को उसर और अभिशप्त माना गया था, उसी प्रकार आजादी के इतने वर्ष तक देश के कुछ ही हिस्सों तक विकास की रोशनी पहुंच पायी है। एक बहुत बड़ा हिस्सा अलग-थलग महसूस कर रहा था। कबीर ने जिस तरह मगहर को अभिशाप से मुक्त किया, उसी तरह हमारी सरकार का प्रयास देश की एक-एक जमीन को विकास की धारा से जोड़ने का है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया मगहर को संत कबीर की निर्वाण भूमि के रूप में जानती है लेकिन आजादी के इतने वर्ष बाद यहां भी स्थिति वैसी नहीं है, जैसी होनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा कि मगहर को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र में सदभाव और समरसता के केन्द्र के रूप में विकसित करने का कार्य अब हम तेज गति से करने जा रहे हैं।

भाषण की शुरूआत स्थानीय भाषा भोजपुरी से करने वाले मोदी ने भाषण का समापन तीन बार साहिब बंदगी बोलकर किया।

जनसभा से पहले मोदी ने संत कबीर की मजार पर चादर चढायी। पुष्प अर्पित किये। उन्होंने संत कबीर अकादमी का शिलान्यास भी किया।

स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर गणित पढ़ाने की गुणवत्ता में सुधार करें - उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा है कि सभी नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। राष्ट्रपति कोलकाता में आज प्रोफेसर महालानोबिस की 125वीं जयंती के मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि लोग सिर्फ लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि वे बदलाव के अहम वाहक भी होते हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय सांख्यिकीय एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, पश्चिम बंगाल के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ब्रत्या बसु और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति ने प्रोफेसर महालानोबिस को एक प्रतिष्ठित दूरदर्शी बताया, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप को सांख्यिकीय से परिचय कराया। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर महालानोबिस की सांख्यिकीय के क्षेत्र में दृष्टि, ध्यान और अनुप्रयोग युक्त अनुसंधान आज हमारे देश में चल रहे आधुनिक आधिकारिक सांख्यिकीय व्यवस्था का आधार है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज हमारे देश की आबादी के 65 फीसदी लोग 35 साल से कम उम्र के हैं और ऐसे में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस अन्तर्निहित शक्ति को वास्तविक शक्ति में बदला जाए। उन्होंने कहा कि यदि हम मानव संसाधन के इस खजाने को मानव पूंजी में नहीं बदल सके तो ये चुका हुआ अवसर माना जाएगा और देश को गरीबी, असमानता, सामाजिक अस्थिरता, और विकास में अनिरंतरता जैसी कई सामाजिक-आर्थिक नतीजे भुगतने पड़ेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस युवा आबादी को कौशल, ज्ञान और 21वीं सदी की ज्ञान अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी प्रवृत्ति से लैस करने की जरूरत है, ताकि वे जनसांख्यिकी संबंधी हिस्से को पहचान सकें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सांख्यिकीय सही मायने में सुशासन का आधार है। यह योजनाओं के लिए अति आवश्यक है और निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए हमें आंकड़ों की जरूरत है और सूचित विकल्प तैयार करने के लिए हमें सांख्यिकी जैसे साधन की जरूरत है, ताकि इसका विश्लेषण और समन्वय किया जा सके।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल पूरी तरह फैल चुका है। हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां ज्ञान, सूचना और आंकड़ों का इस्तेमाल सामान्य हो चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे में जरूरत है कि लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए कम्प्यूटिंग, संचार और रोबोटिक्स की शक्ति का इस्तेमाल किया जाए और इसके लिए विवेक की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि भारत में भास्कराचार्य, आर्यभट्ट और श्रीनिवास रामानुजन जैसी प्रतिभाओं द्वारा गणित के क्षेत्र में निर्मित एक महान परम्परा रही है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्टता की इस परम्परा को बनाए रखने और विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के स्तर पर गणित पढ़ाने की गुणवत्तापूर्ण परम्परा को और सुदृढ़ किए जाने की जरूरत है।

मिशन शौर्य दल के सदस्यों ने प्रधानमंत्री से भेंट की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज महाराष्ट्र के जनजातीय 10 छात्रों के समूह से मुलाकात की। ये छात्र महाराष्ट्र सरकार के आदिवासी विकास विभाग की पहल 'मिशन शौर्य' के दल का हिस्सा थे। इस समूह के 5 छात्रों ने मई 2018 में सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की थी।

छात्रों ने प्रशिक्षण और माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई के दौरान हुए अपने अनुभव प्रधानमंत्री से साझा किए। प्रधानमंत्री ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने छात्रों से नियमित रूप से खेलकूद की गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्सहित किया। उन्होंने समूह के सभी सदस्यों को सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री हंसराज अहीर भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने गन्ना किसानों से बातचीत की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज नई दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग पर स्थित अपने आवास पर 140 से अधिक गन्ना किसानों के एक समूह से मिले और उनसे बातचीत की। प्रधानमंत्री से मिलने वाले किसान उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, महाराष्ट्र और कर्नाटक से थे।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि खरीफ मौसम 2018-19 के अधिसूचित फसलों के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल अपनी अगली बैठक में लागत के 150 प्रतिशत न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागू करने के बारे में मंजूरी दे देगी। उन्होंने यह भी बताया कि 2018-19 के चीनी मौसम के लिए गन्ने के उचित और नकद मूल्य (एफआरपी) की भी घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह मूल्य वर्ष 2017-18 के मूल्य से अधिक होगा। इसमें उन किसानों के लिए प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी, जिनका गन्ने से वसूली 9.5 प्रतिशत से अधिक होगी।

प्रधानमंत्री ने किसानों को गन्ना किसानों के बकाया का भुगतान करने के लिए किए गए विभिन्न फैसलों के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात से दस दिनों में 4000 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया किसानों को भुगतान दिया गया, जो सरकार के लागू किए गए नीतिगत उपायों का नतीजा है। प्रधानमंत्री ने किसानों को आश्वासन दिया कि गन्ना बकायों का भुगतान करने के लिए राज्य सरकारों को प्रभावी कदम उठाने का आग्रह किया गया है।

प्रधानमंत्री ने किसानों को स्प्रिंकलर और ड्रिप सिंचाई, नवीनतम कृषि तकनीक और सौर पंपों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने किसानों से उनके खेत में ऊर्जा स्रोत और अतिरिक्त आय के लिए सोलर पैनल स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने फसलों की गुणवत्ता में सुधार के लिए जोर देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने किसानों को 2022 तक रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल में 10 प्रतिशत की कटौती करने का लक्ष्य रखने को कहा।

प्रधानमंत्री ने किसानों को हाल ही में कॉर्पोरेट से अपनी बातचीत के बारे में बताया, जिसमें उन्होंने किसानों की आय में सुधार के लिए फसलों के मूल्यवर्धन, गोदाम, भंडारण सुविधाओं, बेहतर गुणवत्ता वाले बीज और बाजार से जुड़ाव में निवेश करने को कहा है।

कौन है गौरव चोपड़ा की वो पूर्व प्रेमिका, जो चाहती थीं कि वे नारायणी शास्त्री के पास लौट जाएं?

ज़ी टीवी के पॉपुलर चैट शो 'जज़्बात... संगीन से नमकीन तक' ने अब तक आपको कई मशहूर सेलिब्रिटीज़ की जिंदगी को करीब से जानने का मौका दिया। इन सेलेब्रिटीज़ में रोहित और रोनित रॉय, अदा खान, दिव्यांका त्रिपाठी, धीरज धूपर, राखी सावंत, बरुण सोबती, करण पटेल, आश्का गोरडिया और कई अन्य सेलिब्रिटीज शामिल हैं। इस शो के आगामी एपिसोड में टैलेंटेड एक्टर गौरव चोपड़ा, अपनी पूर्व प्रेमिका और अब एक अच्छी दोस्त नारायणी शास्त्री के साथ मिलकर दिलकश होस्ट राजीव खंडेलवाल से एक हल्की-फुल्की चर्चा करते नजर आएंगे।

गौरव और नारायणी पूर्व में एक रिश्ते में रह चुके हैं। इस एपिसोड में दोनों ने अपने संबंध के बारे में बात की, साथ ही यह भी बताया कि ब्रेकअप के बावजूद दोनों के बीच रिश्ता बरकरार है। एपिसोड के दौरान होस्ट राजीव खंडेलवाल ने गौरव और नारायणी से जानना चाहा कि क्या वे ब्रेकअप के बाद अब दोबारा रिश्ते में आना चाहते हैं। गौरव ने भी एक दिलचस्प किस्सा बताते हुए इस सवाल का जवाब दिया। गौरव ने झट से कहा, ''नारायणी से ब्रेकअप के कुछ साल बाद मैं किसी और के साथ डेट कर रहा था। हुआ यूं कि एक दिन वो मेरी और नारायणी की तस्वीर लेकर मेरे पास आई और झिझकते हुए मुझे दिखाने लगी। उसने मुझे यह भी कहा कि हमारी जोड़ी बहुत अच्छी लगती है और मुझे नारायणी से दोबारा रिश्ता बनाने के बारे में विचार करना चाहिए।'' यह सुनकर राजीव ने उन्हें बीच में रोकते हुए उनसे पूछा, ''क्या तुम मौनी रॉय की बात कर रहे हो।'' इस पर गौरव ने जवाब दिया, ''मैं नेशनल टेलीविजन पर किसी का भी नाम नहीं लेना चाहता।'' बहरहाल, गौरव हम तो यही कहेंगे कि आप राज बाहर ले ही आए। (19-8)

आगामी चुनौतियों से निपटने के लिए एशियाई देशों को एक टीम के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है-पीयूष गोयल

केंद्रीय रेल, कोयला, वित्त और कॉर्पोरेट मामले मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं और राजनीति में भारत की बढ़ती भूमिका इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि भारत ने इस सप्ताह मुंबई में एशियाई बुनियादी ढांचा और निवेश बैंक शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और अब हम दक्षिण एशियाई लेखाकार परिसंघ (एसएएफए) का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने यह बात आज यहां भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई लेखाकार परिसंघ के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2018 को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि साहसी नए विश्व में आगामी चुनौतियों से निपटने के लिए एशियाई देशों को एक टीम के रूप में कार्य करने की आवश्यता है। लागत लेखा के तौर पर विश्व छोटा हो रहा है। लागत लेखा की प्रकृति पूर्णतया वैश्विक है। लागत लेखा के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री गोयल ने कहा कि इससे कंपनियों की स्थापना और शासन में महत्वपूर्ण सुधार किया जा सकता है, क्योंकि प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता से समझौता किए बगैर लागत कम करना आवश्यक है। इसके लिए योजना बनाने और निरंतर माल की आपूर्ति करने की जरूरत है। जिस संगठन में लागत विश्लेषण न हो वह आज के चुनौती भरे विश्व में सफल नहीं हो सकता। दिन प्रतिदिन बदलते लागत परिदृश्यों से ये और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। श्री गोयल ने कहा कि विकास के लिए निरंतरता महत्वपूर्ण है और लागत को कम कर निरंतरता हासिल की जा सकती है। इसके अलावा लागत से निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जा सकती है। देश की आबादी और पैमाने को देखते हुए माल और सेवा कर (जीएसटी) कार्यान्वयन में चुनौतियों के बारे में बताते हुए श्री गोयल ने कहा कि सरकार लागत को समझे बगैर यह कार्य नहीं कर सकती थी। सभी प्रकार के सुधारों के लिए लागत महत्वपूर्ण है।

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
भारी पानी संयंत्र, बड़ौदा

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से महाप्रबंधक, भारी पानी संयंत्र, बड़ौदा द्वारा पंजीकृत/अर्हक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों के लिए मोहरबंघ निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं

निविदा क्र.: **भापासं/ब/स/उत्पादन/ टी.बी.पी./18–19/02**
विषयः **उत्पादन विभाग के टी.बी.पी संयंत्र में पीसमील काम**
अनुमानित लागत : **₹ 7,68,000 /– Including GST**
बयाना – जमा : **₹ 15,360/–**
निविदा जारी करने/विक्रय करने की प्रथम तिथि : **दि: 02/07/2018**
निविदा जारी करने/विक्रय करने की अंतिम तिथि : **दि: 12/07/2018**
निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि व समय : **दि: 16/07/2018 14:30 बजे,**
निविदा खोले जाने की तिथि तिथि व समय : **दि: 16/07/2018 15:00 बजे,**

उपर्युक्त निविदाओं के लिए निविदा दस्तावेज भुगतान एवं लेखा अधिकारी, भारी पानी संयंत्र, डाकः फर्टीलाइजरनगर, जिलाः बड़ौदा–391750 से **रू. 500/– (अप्रति देय) का भुगतान** करके सभी कार्य दिवसों पर 10:30 बजे से 15:00 बजे के बीच, उपर्युक्त वर्णित कार्यों के सफल निष्पादन के लिए पर्याप्त संबंधित अनुभव का प्रमाण तथा उपलब्ध औजार, टेकेल, कुशल श्रमशक्ति, पर्याप्त सुविधाओं की सूची प्रस्तुत करके प्राप्त किया जा सकता है। डाक द्वारा मंगाये/जमा करने पर डाक विभाग के विलम्ब के लिये भारी पानी संयंत्र, बड़ौदा किसी भी रूप में जिम्मेवार नहीं होगा।

पार्टी द्वारा पिछले 3 वर्षों के दौरान समान प्रकृति के कार्य का या संबंधित तकनीक के क्षेत्र में निष्पादित कार्य का अनुभव आवश्यक है, तथा ऐसे कार्यों का कुल मूल्य निविदा में प्रस्तुत राशि से कम नहीं होना चाहिए तथा ऐसे कार्यों में से कम से कम तीन समान कार्य पूर्ण किए गए हों जिनमें से प्रत्येक की आंकलित लागत 40 प्रतिशत से कम नहीं हो। या दो समान कार्य पूर्ण किए गए हों जिनमें से प्रत्येक की आंकलित लागत 60 प्रतिशत से कम नहीं हो। या एक समान कार्य पूर्ण किया गया हो जिसकी आंकलित लागत 80 प्रतिशत से कम नहीं हो।

मोहरबंद नीविदाएँ ऊपर दर्शाई अंतिम तिथि के 1430 बजे या इससे पहले तक भुगतान एवं लेखा अधिकारी, भापासं, बड़ौदा के पास पहुँच जानी चाहिए, जिन्हे उसी दिन 1500 बजे खोला जाएगा। यदि निविदा खोले जाने की तिथि सार्वजनिक अवकाश के दिन पड़ती है,तो इसे अगले कार्यदिवस को विनिर्दिष्ट समय पर खोला जाएगा।

बयाना–जमा के बिना प्राप्त होने वाले प्रस्तावों को पूर्णतः रद्द कर दिया जाएगा।